

आईवीआरआई, मुक्तेश्वर में "पशुधन में एडवांस्ड डिजीज डायग्नोसिस एंड नेक्स्ट जेनरेशन वैक्सीन प्लेटफॉर्म" विषय पर दस दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ



09/03/2026 मुक्तेश्वर

भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), मुक्तेश्वर, उत्तराखंड में “पशुधन में एडवांस्ड डिजीज डायग्नोसिस एंड नेक्स्ट जेनरेशन वैक्सीन प्लेटफॉर्मर्स” विषय पर भाकृअनुप प्रायोजित लघु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्घाटन 9 मार्च 2026 को संस्थान के सभागार में किया गया। यह दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 से 18 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों से प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। पशुधन में उभरती एवं पुनः उभरती बीमारियों की बढ़ती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं को उन्नत रोग निदान तकनीकों तथा नेक्स्ट जेनरेशन वैक्सीन प्लेटफॉर्मर्स के क्षेत्र में अद्यतन ज्ञान प्रदान करना है। इसके साथ ही प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को आधुनिक प्रयोगशाला तकनीकों से परिचित कराने तथा व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने पर भी विशेष बल दिया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष के रूप में डॉ. यशपाल सिंह मलिक, संयुक्त निदेशक, भाकृअनुप-आईवीआरआई, मुक्तेश्वर उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. मलिक ने पशुधन स्वास्थ्य प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने में उन्नत रोग निदान तकनीकों और आधुनिक वैक्सीन प्लेटफॉर्मर्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को नवीनतम वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराने के साथ-साथ उनके व्यावहारिक कौशल को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के व्याख्यानो के साथ-साथ हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण का अवसर भी प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम सह-निदेशक के रूप में डॉ. आशुतोष फुलार (वैज्ञानिक), डॉ. अमित कुमार (वरिष्ठ वैज्ञानिक), डॉ. विशाल चंद्र (वरिष्ठ वैज्ञानिक) तथा डॉ. अमीर कुमार सामल (वैज्ञानिक), भाकृअनुप-आईवीआरआई, कार्यरत हैं। इस अवसर पर डॉ. आशुतोष फुलार, वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम सह-निदेशक, ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं रूपरेखा के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान पाठ्यक्रम संकलन (कोर्स कम्पेंडियम) का भी विमोचन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न संस्थानों से आए 15 प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जिनमें उत्तराखंड के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के सहायक प्राध्यापक तथा रिमाउंट वेटरिनरी कॉर्प्स (आरवीसी) के सेना अधिकारी भी शामिल हैं। प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से जूनोटिक रोगों के महत्व तथा मानव एवं पशु स्वास्थ्य के संदर्भ में उनकी भूमिका पर भी चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम का समापन डॉ. आशुतोष फुलार द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।